



अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय- 3, मार्बल आर्च, सेनापती बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016.

दूरभाष : (022) 24306321 / 24378866 फैक्स : 24313938 ई-मेल : abvpkendra@gmail.com

दिनांक: 9 फरवरी 2023

-:प्रेस विज्ञप्ति:-

यूजीसी द्वारा स्नातक स्तर पर पर्यावरण शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम की पहल अभिनंदनीय: अभाविप

पर्यावरण से जुड़े विषयों से युवा पीढ़ी को सम्बद्ध करने की आवश्यकता महत्वपूर्ण: अभाविप

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा स्नातक स्तर के लिए पर्यावरण शिक्षा हेतु नवीन एवं अधिक प्रभावी पाठ्यक्रम की रूपरेखा का ड्राफ्ट जारी करने संबंधी पहल का हार्दिक अभिनंदन करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप यह शिक्षा संबंधी कदम महत्वपूर्ण है।

पर्यावरण क्षरण एवं जलवायु परिवर्तन एक गंभीर वैश्विक समस्या है जिसके प्रति युवा पीढ़ी को सजग किया जाना आवश्यक है। स्नातक स्तर पर पर्यावरण विषय का अधिक प्रभावी पाठ्यक्रम निश्चित ही युवाओं को पर्यावरणीय स्थिति तथा मूल्यों के प्रति जागरूक करने वाला होगा। यूजीसी के इस ड्राफ्ट पर छात्रों, अध्यापकों एवं अन्य हितधारकों के मध्य चर्चा से इसे और अधिक प्रभावी किया जा सकता है।

विकासार्थ विद्यार्थी के राष्ट्रीय संयोजक राहुल गौड़ ने कहा कि, "छात्रों तथा युवाओं को अभाविप की गतिविधि 'विकासार्थ विद्यार्थी' के द्वारा पर्यावरण संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन से जागरूक किया जा रहा है। विकासार्थ विद्यार्थी की 'नर्मदा अध्ययन यात्रा', 'वृक्ष मित्र अभियान', पर्यावरण संगोष्ठियां, 'सागर स्वच्छता अभियान', 'अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा आदि पर शैक्षणिक परिसरों में रचनात्मक कार्यक्रमों' आदि के माध्यम से अभाविप पर्यावरणीय मूल्यों के प्रति युवाओं को सजग करने का निरंतर कार्य कर रही है।"

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि, "यूजीसी के पर्यावरण संबंधी पाठ्यक्रम से स्नातक स्तर पर छात्र पर्यावरण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक हो सकेंगे, साथ ही पर्यावरण विषय के विशेषज्ञ अभ्यार्थियों हेतु अधिक संख्या में नए रोजगार का सृजन भी होगा। वर्तमान में विभिन्न विश्वविद्यालयों में परास्नातक स्तर पर पर्यावरण विषय के पाठ्यक्रम संचालित है और स्नातक स्तर पर सभी विषयों के साथ एक अनिवार्य विषय के रूप में पर्यावरण विषय पढ़ाया जाता है। पर्यावरण संबंधी पाठ्यक्रमों को नई स्थितियों के साथ अद्यतन किया जाने से युवाओं में पर्यावरण को लेकर बेहतर समझ बनेगी।"

(यह प्रेस विज्ञप्ति केंद्रीय कार्यालय मंत्री श्री दिगंबर पवार द्वारा जारी की गयी है।)